1

कहानी

परी लड़की

लॉरी बी फ्रीडमैन

अनुवाद : अरविंद गुप्ता

''महिलाएँ, बच्चे दाईं ओर। पुरुष बाईं ओर।"

जूते बजने लगे। बंदूकें तनने लगीं। आदेश जारी किए गए। चीखें ऊपर उठीं और ठंडी सुबह की हवा में धुएँ के गुबार की तरह गायब हो गईं। मैं अपनी उम्र के हिसाब से काफ़ी ऊँचा था, लेकिन फिर भी मैं ग्यारह साल का एक लड़का था। मैं अपनी माँ के पतले शरीर से लिपट गया। "माँ, मैं तुम्हारे साथ ही चलूँगा" —मैं फुसफुसाया।

पर माँ ने मुझे अपने बड़े भाइयों की ओर धकेल दिया, और वो खुद एक खुली ट्रेन की बोगी की ओर चल पड़ीं। आँखें आगे की ओर। शरीर अकड़ा हुआ। सिर ऊँचा। "हरमन" —माँ ने कहा। "अब समय आ गया है कि तुम्हारे एक आदमी बनने का।"

> *"अब समय आ गया है कि तुम्हारे एक आदमी बनने का।" —माँ ने ऐसा क्यों कहा होगा?*

वह आखिरी बार था जब मैंने अपनी माँ को देखा।

जब मेरी बारी आई, तो मेरी ट्रेन तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। ट्रेन मुझे ले गई। गर्म शरीर, गर्म आँसू, मुझे जकड़ रहे थे। मेरा दिमाग शब्दों से भर गया। माँ।

मैं कहाँ जा रहा हूँ? माँ।

मुझे क्या करना है? माँ।

मेरी देखभाल कौन करेगा? माँ...

मैंने इंतज़ार किया। अपनी माँ के जवाब का इंतजार किया।

जब ट्रेन रुकी, तो गार्ड ने मेरी बाँह पकड़ी। उसने मुझे अंधेरे में उतार दिया। रात की हवा में गोलियों की आवाज़ गूँजने लगी। मेरे कपड़े उतार दिए गए और मेरी तलाशी ली गई। मुझे एक यूनिफॉर्म और काम सौंपा गया।

"बैरक में जाओ" –एक गार्ड चिल्लाया।

मेरे पैर आगे बढ़े। मेरा शरीर आँसुओं से भर गया। मेरे चारों ओर छवियाँ घूम रही थीं। मेरी माँ खाना बना रही थीं। मेरे पिता पियानो बजा रहे थे। मेरा कुत्ता मेरी बगल में लिपटा हुआ था।

मैंने अपने भाई को कसकर पकड़ लिया।

"मैं घर जाना चाहता हूँ।" मेरे भाई ने जवाब दिया, उसकी आवाज़, पतली, सपाट थी। "अब यही घर है।"

» *"अब यही घर है।" –कैदी शिविर को यहाँ घर क्यों कहा गया है?*

कैदी शिविर में मेरे दिन भोर से शुरू होते थे। हम कतार में खड़े होते। मार्च करते। कोई भोजन नहीं। ठंड से कोई सुरक्षा नहीं। केवल काम। मेरे हाथों से खून बहता था। मेरा पेट भूख से गुड़गुड़ाता था।

पहले, मैंने दिखावा करने की कोशिश की। जब मैं कारखाने में काम करता था, तो मैंने खुद को अपने घर के पास पार्क में खेलने की कल्पना की। जब मुझे भूख लगती, तो मैं अपनी माँ के खाना पकाने की याद करता। जब मुझे ठंड लगती, तो मैं खुद से कहता कि वे सुन्न उँगलियाँ मेरी नहीं बल्कि किसी और की हैं।

रात को मुझे 'सूप' दिया गया। बिलकुल पानी जैसा सूप। मैं एक शेल्फ पर सो गया। मेरा पतला शरीर सैकड़ों लोगों के बीच दबा हुआ था। मुझे घर की

» *हरमन को हमेशा माँ की याद क्यों सताती होगी?*

छोटी-छोटी चीज़ें याद आती रहती थीं। एक तकिया, एक शौचालय, एक टूथब्रश...

बड़ी चीज़ें। माँ। हमेशा माँ।

"माँ" मैं हर रात पूछता था– "तुम मुझे कब सुलाने आ रही हो?" फिर मैं इंतज़ार करता रहता। ठंडा। थका हुआ। भूखा। आशावान। माँ का इंतज़ार करता हुआ।

एक रात, माँ मेरे पास आई। एक सपने में कोमल, निश्चित, स्थिर– "चिंता मत करो, हरमन।" माँ की कोमल आवाज़ ने मुझे सुकून दिया– "एक परी आकर तुम्हें बचाएगी।" दो दिन बाद, वह प्रकट हुई। लड़की परी। परी लड़की। प्रकाशवान। चमकदार, वो बाड़ के दूसरी तरफ़ थी। मैं करीब गया। मेरी परी लड़की असली थी।

"क्या तुम्हारे पास कुछ खाना है?" –मैं फुसफुसाया। मेरी परी लड़की ने सिर हिलाया। हम देखते रहे, इंतज़ार करते रहे।

एक गलत कदम का मतलब था मौत। मेरी मौत। उसकी मौत। जब सही समय आया, तो उसने बाड़ के पार से एक सेब फेंका।

एक गलत कदम का मतलब था मौत। मेरी मौत। उसकी मौत। यहाँ गलत कदम क्यों कहा गया है?

मेरी उँगलियाँ उस सेब के चारों ओर मुड़ गईं। चुपचाप। कृतज्ञता से। "कल" –परी फुसफुसाई।

मेरी परी लड़की फिर से प्रकट हुई अगले दिन। और उसके बाद हर दिन। वो हमेशा देखती, इंतज़ार करती, और फेंकती थी। हमेशा एक सेब।

परी लड़की और मैं शायद ही कभी बात करते थे। मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता था सिवाय इसके कि वह एक दयालु, बहादुर, खेत में काम करने वाली लड़की थी। उसका नाम क्या था ? वह मेरे लिए अपनी जान जोखिम में क्यों डाल रही थी ?

युद्ध घसीटता चला गया। दिन पर दिन बीते। महीने पर महीने बीते। मेरा शिविर बीमारी और भुखमरी से भर गया। लेकिन मेरी परी लड़की ने मुझे भोजन देकर सहारा दिया। मेरी परी लड़की ने मुझे उम्मीद से भर दिया।

आखिरकार, युद्ध समाप्त हो गया। बहुत से लोग उस दौरान मर गए थे, लेकिन मैं जीवित था। आज़ाद, एकदम मुक्त।

मैं आखिरी बार बाड़ के पास गया। वह वहाँ इंतज़ार कर रही थी।

"तुम मेरी परी लड़की हो" –मैंने कांटेदार तार के बीच से कहा। मैंने अपनी परी लड़की की आँख में एक आँसू देखा।

युद्ध के बाद, मैं अपने भाइयों के साथ इंग्लैंड चला गया, अब मैं कैदी शिविर से मुक्त था लेकिन अब मैं अपने अतीत का कैदी था। मेरे दिमाग में छवियाँ भर गईं। युद्ध। शिविर। माँ। मेरा पुराना जीवन। मेरी परी लड़की।

मैंने काम किया, पढ़ा, अध्ययन किया। मैंने अतीत को पीछे छोड़ने के तरीके खोजने की कोशिश में सालों बिताए।

जब मैं एक जवान आदमी बन गया, तो मैं अमेरिका में एक नए जीवन जीने के लिए चला गया। मैं न्यूयॉर्क पहुँचा। वहाँ सब कुछ नया, अपरिचित था। पुराने जीवन की यादें मेरे चारों ओर लिपटी हुई थीं। उन्होंने मुझे कसकर जकड़ लिया। मैं अक्सर सोचता था कि मैंने क्या पाया और क्या खोया।

> *'मैंने क्या पाया और क्या खोया।' हरमन ने क्यों ऐसा सोचा होगा?*

मैं अक्सर माँ के बारे में सोचता था। एक रात, माँ सपने में मेरे पास आईं। वैसा

ही सपना जो मैंने सालों पहले कैदी शिविर में देखा था।

"चिंता मत करो, हरमन।" –माँ की कोमल आवाज़ ने मुझे शांत किया।

"एक परी तुम्हें बचाएगी।"

दो दिन बाद, एक दोस्त ने मुझे एक दावत पर आमंत्रित किया। वहाँ एक लड़की आएगी। "तुम्हें वो लड़की पसंद आएगी" –उसने डिनर के लिए जाते समय कार में कहा। मुझे वह पसंद आई। एक नर्स, दयालु, होशियार। हरी आँखें, जीवन से भरी हुई।

उनमें कुछ ऐसा था जो मुझे जाना-पहचाना लगा। उसने कहा कि उसका नाम रोमा है। उसने अतीत और युद्ध के दौरान अपने जीवन के बारे में भी बताया। वो एक खेत पर काम करती थी। अपने परिवार की पहचान छिपाने के लिए वो जर्मनी के एक छोटे से गाँव में काम करती थी। मैं उस गाँव को जानता था। "मैं वहाँ एक शिविर में कैदी था," –मैंने रोमा से कहा।

"मैं उस कैंप में एक लड़के के लिए रोज़ाना सेब लेकर जाती थी।" –रोमा ने मुझे बताया कि कैसे वह दिन-ब-दिन, महीने-दर-महीने बाड़ के पास जाती थी।

मैंने कैंप के उस लंबे, दुबले-पतले लड़के के बारे में सोचा, जो मैं खुद कभी था। मैंने अपनी माँ के बारे में भी सोचा, जिसने वादा किया था कि एक परी आकर मुझे बचाएगी।

क्या वो बहुत पहले की मेरी परी लड़की हो सकती है ? डिनर के बाद, रोमा और मैं रेत पर चले। रेत। समुद्र के झाग। डूबता सूरज। मुझे जानना था कि क्या वह वही थी। अनिश्चित। भयभीत। आशावान, स्थायी।

"रोमा..." जिस लड़के के लिए तुम सेब ले गई थी... क्या उस लड़के के आखिरी शब्द थे– "तुम मेरी परी लड़की हो !"

रोमा मुस्कुराई। जैसे ही मैंने उसकी आँखों में देखा, मुझे एक आँसू दिखाई दिया।

"तुम मेरी परी लड़की हो" –मैंने रोमा से धीरे से कहा। "और मैं तुम्हारा लड़का हूँ।"

गतिविधियाँ

» **कहानी के आधार पर लिखें, यह कथन किसका है :**

कथन	पात्र
एक परी आकर तुम्हें बचाएगी।	
मैं एक लड़के के लिए रोज़ाना सेब लेकर जाती थी।	
अब यही घर है।	
तुम्हें वो लड़की पसंद आएगी।	
मैं वहाँ एक शिविर में कैदी था।	

» **कहानी पढ़ें, घटनाओं को क्रमबद्ध करें :**

- परी लड़की से हरमन को मदद मिलती है।
- युवा बनने पर हरमन जीने के लिए अमेरिका चला जाता है।
- युद्ध समाप्त हो जाता है।
- हरमन माँ से अलग होता है।
- परी लड़की को पहचानता है।
- हरमन आखिरी बार बाड़ के पास जाता है।
- हरमन कैदी शिविर में बंदी होता है।
- हरमन भाइयों के साथ इंग्लैंड चला जाता है।
- परी लड़की से पुन: मिलता है।

» इन मुहावरों को समझें, नए प्रसंग में प्रयोग करें :

- जान जोखिम में डालना।
- अतीत का कैदी होना।

» कहानी के आधार पर वाक्य-विस्तार करें :

- रोमा काम करती थी।

  ----------------------------------।

  ---------------------------------------।

  ---।

  --।

» रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें, अर्थभेद समझें :

मेरी ट्रेन तेज़ी से आगे <u>बढ़ती थी।</u>	मेरी ट्रेन तेज़ी से आगे <u>बढ़ती है।</u>	मेरी ट्रेन तेज़ी से आगे <u>बढ़ेगी।</u>
पिता पियानो <u>बजाते थे।</u>	पिता पियानो <u>बजाते हैं।</u>	पिता पियानो <u>बजाएँगे।</u>

» **नमूने के अनुसार लिखें :**

---------------------------।	मेरी माँ खाना बनाती है।	--------------------।
मेरे पैर आगे बढ़ते थे।	----------------------------।	--------------------।
---------------------------।	मेरे हाथों से खून बहता है।	--------------------।
वह बाड़ के पास जाती थी।	----------------------------।	--------------------।
---------------------------।	मैं कारखाने में काम करता हूँ।	--------------------।
मैं घर जाना चाहता था।	----------------------------।	--------------------।

» **हरमन के जीवन प्रसंगों से संबंधित वाक्य चुनकर तालिका भरें :**

- हरमन एक नई ज़िंदगी की शुरुआत करने के लिए अमेरिका चला जाता है।
- सैकड़ों लोगों के बीच दबकर सोता है।
- रोमा से सहायता मिलती है।
- हरमन अतीत को भूलने की कोशिश करता है।
- हरमन अकेला और असहाय महसूस करता है।
- रोमा से पुन:मिलन संपन्न होता है।
- कड़ी मेहनत और भूख से रहता है।
- भाइयों के साथ इग्लैंड चला जाता है।

शिविर में	शिविर से छूटने के बाद
हरमन भय और बेचैनी से रहता है।	अतीत का कैदी बनकर रहता है।
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

» लड़के के चरित्र की विशेषता के अनुसार कहानी से प्रसंग चुनकर लिखें :

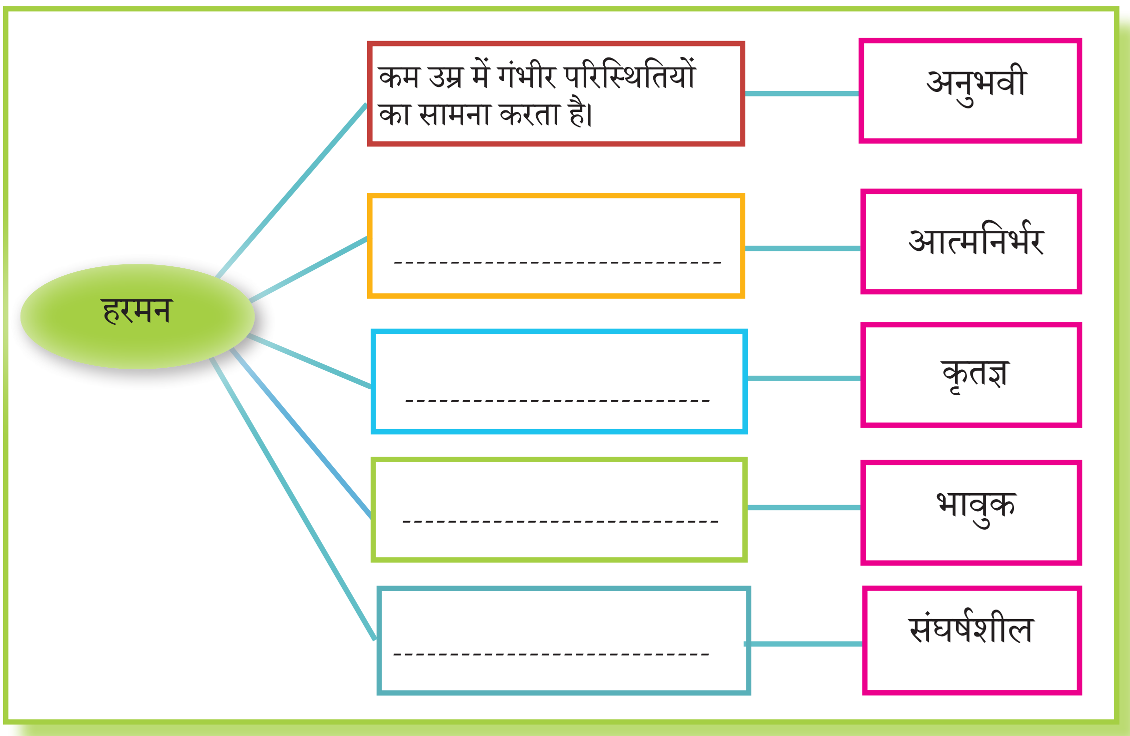

» हरमन के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

अनुबद्ध्ध कार्य

- कहानी के किसी एक प्रसंग पर पटकथा तैयार करें।

लॉरी बी फ्रीडमैन

जन्म : 28 जनवरी 1964

लॉरी फ्रीडमैन एक अमेरिकी लेखिका हैं। आपने युवा पाठकों के लिए 200 से अधिक पुरस्कार-विजेता पुस्तकें लिखी हैं। 'मैलरी मैकडोनाल्ड अध्याय पुस्तक शृंखला', 'मूस द डॉग', 'मैजिक पोस्टकार्ड्स','सिल्ली मिल्ली आसान पाठक शृंखला','द मोस्टली मिजरेबल लाइफ ऑफ अप्रैल', 'सिनक्लेयर किशोर जर्नल-प्रारूप,' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

अरविंद गुप्ता

जन्म : 04 दिसंबर 1953

अरविंद गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के बरेली में हुआ। वे भारत के खिलौना आविष्कारक एवं विज्ञान प्रसारक हैं। वे गांधीवादी विचारधारा के व्यक्ति हैं। वे अध्यापक, इंजीनियर और अनुवादक हैं। उन्होंने 250 से अधिक पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद किया है। 2018 को भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया।

मदद लें :

परी - മാലാഖ, angel, தேவதை, ದೇವತೆ

दाईं ओर - दाए हाथ की दिशा में

बाईं ओर - बाए हाथ की दिशा में

बंदूकें तनना - വെടിയുതിർക്കാൻ തയ്യാറാവുക, aiming for firing, துப்பாக்கியைத் சுடுவதற்குத் தயார் செய்தல் , ಗುಂಡುಗಳನ್ನು ಹಾರಿಸಲು ತಯಾರಾಗುವುದು

चीख - डर जाने पर निकलनेवाली आवाज़

धुएँ के गुबार - हवा में उड़नेवाली धुआँ

गायब होना - अप्रत्यक्ष होना

उम्र के हिसाब से- പ്രായത്തിനനുസരിച്ച്, in accordance with age, வயதிற்கு ஏற்ப , ಪ್ರಾಯಕ್ಕನುಗುಣವಾಗಿ

लिपट जाना - ഒട്ടിച്ചേർന്ന് നിൽക്കുക, to stay closely, அணைந்து நின்றனர் , ಅಂಟಿಕೊಂಡು ನಿಲ್ಲು

फुसफुसाना - धीमे स्वर में कहना

धकेल देना - തള്ളിവിടുക, to push away, தள்ளி விடுதல், ದೂಡಿಬಿಡುವುದು

अकड़ा होना - स्तब्ध होना

जकड़ना - വരിഞ്ഞു മുറുക്കുക, to grasp tightly, இறுகக்கட்டுதல், ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಎಳೆದು ಜೋಡಿಸು

उतार देना - ഇറക്കി വിടുക, to drop off , இறக்கி விடுதல், ಇಳಿಸಿ ಬಿಡು

गूँजना - मुखरित होना

तलाशी लेना - പരിശോധിക്കുക, to check, பரிசோதித்தல், ಹುಡುಕುವುದು

छवियाँ घूमना - ദൃശ്യങ്ങൾ മിന്നി മറയുക, flashing of images, காட்சிகள் மின்னி மறைதல் ,ದೃಶ್ಯಗಳು ಓಡಿಕೊಂಡಿದ್ದವು

कसकर पकड़ना -മുറുകെപ്പിടിക്കുക, to hold tightly , இறுகக் கட்டி அணைத்தான், ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಹಿಡಿದುಕೊಳ್ಳು,

सपाट - വ്യക്തം, clear, தெளிவாக, ವ್ಯಕ್ತ

कैदी शिविर - Jail சிறை

भोर - प्रभात

कतार - श्रेणी

भूख से गुड़गुड़ाना - भूख के कारण पेट से आवाज़ निकलना

दिखावा करना - बनावटी ढंग से प्रस्तुत करना

सुन्न उँगलियाँ - മരവിച്ച വിരലുകൾ, numb fingers, மரத்துப் போன விரல்கள், ಮರಗಟ್ಟಿದ ಬೆರಳುಗಳು

सुकून देना - सांत्वना देना

चमकदार - चमकीला

बाड़ - വേലി, fence, வேலி, ಬೇಲಿ

करीब जाना - पास जाना

सिर हिलाना - തലയാട്ടുക, to nod, தலையை ஆட்டுதல், ತಲೆಯಾಡಿಸು

गलत कदम - തെറ്റായ നീക്കം, wrong move, தவறான போக்கு, ತಪ್ಪಾದ ದಾರಿ,

मुड़ जाना - തിരിയുക, to turn around, திரும்புதல், ತಿರುಗುವುದು

सिवाय - अतिरिक्त

बहादुर - साहसी

जान जोखिम में डालना - साहस दिखाना

घसीटता चला जाना - നീണ്ടു പോവുക, to drag on slowly, நீண்டகாலம் தொடர்தல், ಮುಂದಕ್ಕೆ ಹೋಗು

भुखमरी - भूखों मरने की स्थिति

उम्मीद - प्रतीक्षा

काँटेदार तार - മുള്ളുവേലി, barbed wire, முள்கம்பி வேலி, ಮು ಳ್ಳುತಂತಿಯಬೇಲಿ

छवियाँ भर जाना - ഓർമ്മചിത്രങ്ങൾ നിറയുക, to be filled with memories, ஏராளம் நினைவுகள், ನೆನಪುಗಳು ತುಂಬುವುದು

अतीत - बीता समय

होशियार - चतुर

रोज़ाना - प्रतिदिन

वादा करना - वचन देना

झाग - പത , foam , நுரை, ನೊರೆ